www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 86 | जौनपुर, शुक्रवार, 13 नवम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

वैश्विक सुस्ती के बीच एक 'चमकता सितारा' है भारतीय अर्थव्यवस्था – अशोक कुमार लाहिड़ी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी ने गुरुवार को कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था एक 'चमकते सितारे' की तरह रही है और पिछले पांच वर्षों से प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में उसकी वृद्धि दर सबसे तेज रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि देश को खाद्य तेल और दलहन के उत्पादन में और अधिक प्रगति करने की जरूरत है। लाहिड़ी ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा, "वैश्विक स्तर पर निराशाजनक आर्थिक माहौल के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था एक चमकते सितारे की तरह रही है। मेरा मतलब है कि हमने पिछले पांच वर्षों में प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज वृद्धि दर बनाए रखी है।" पश्चिम एशिया में युद्ध के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। पिछले महीने विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 0.5 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया था। उसने इसकी वजह मजबूत घरेलू मांग और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद निर्यात में मजबूती को बताया था। विश्व बैंक ने अपनी नवीनतम 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' रिपोर्ट में कहा था कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और वैश्विक वृद्धि में उसका महत्वपूर्ण योगदान है।

घुसपैठ को मुद्दा बनाकर ध्रुवीकरण का पारा चढ़ाने में जुटी भाजपा

लखनऊ, (संवाददाता)। घुसपैठ को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बीच जुबानी जंग से ध्रुवीकरण का भी पारा चढ़ रहा है। भाजपा ने 'लोकतंत्र बचाओ– अराजकता हटाओ पदयात्रा' में घुसपैठ को मुद्दा बनाकर अखिलेश पर बांग्लादेशियों का आधार कार्ड बनाने की फैक्ट्री चलाने का आरोप लगाया था, जिस पर पलटवार करते हुए सपा प्रमुख ने योगी को ही घुसपैठिया (उत्तराखंड से आने वाला) बताया। अब योगी ने पूछा है कि उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री उत्तराखंड के थे। गंगा, यमुना, सरयू एवं रामगंगा भी उत्तराखंड से आती हैं, लेकिन अखिलेश देवभूमि को घुसपैठिया बता रहे, जबकि वह असली घुसपैठियों के आगे घुटने टेक देते हैं। चुनाव आयोग के खिलाफ दिल्ली में प्रदर्शन के बाद से भाजपा और इंडी गठबंधन के बीच आरोप–प्रत्यारोप तेज हो गए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में 16 अक्टूबर को प्रेस वार्ता कर कहा था कि बांग्लादेश की तर्ज पर रिजीम चेंज की हिंसक मांग करने वालों का समर्थन कर राहुल गांधी देश में आग लगाना चाहते हैं। तीन नवंबर को लखनऊ की पदयात्रा में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अखिलेश यादव बांग्लादेशी घुसपैठियों का आधार कार्ड बनवा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में छूटे मतदाताओं को जोड़ने की मुहिम की कमान संभालेंगे सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। विधानसभा चुनाव की तैयारियों में तेजी से जुटी भाजपा ने अब मतदाता सूची को दुरुस्त कराने और छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम जुड़वाने पर पूरा जोर लगा दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अभियान की कमान खुद संभाली है। शुक्रवार को राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होने वाली भाजपा की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को इस अभियान की रूपरेखा समझाएंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह भी कार्यशाला में मौजूद रहेंगे।



दरअसल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एसआइआर से पहले और बाद की मतदाता सूचियों का हवाला देते हुए दावा किया था कि प्रदेश में 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं हैं। इनमें 66 लाख ऐसे मतदाता बताए गए हैं, जिनके नाम पंचायत की मतदाता सूची में हैं, लेकिन विधानसभा की सूची में नहीं हैं। इसी तरह 55 लाख सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों और 18–19 वर्ष आयु वर्ग के साढ़े चार लाख युवाओं के नाम मतदाता सूची में नहीं होने की बात कही गई थी। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया था कि मुस्लिम मतदाताओं के नाम बढ़े हैं, जबकि हिंदू मतदाताओं की संख्या घटी है। भाजपा अब इन्हीं आंकड़ों के आधार पर जिलेवार अभियान चलाएगी। कार्यशाला में जिला और क्षेत्रीय पदाधिकारियों को बताया जाएगा कि पंचायत मतदाता सूची में दर्ज लेकिन विधानसभा सूची से छूटे लोगों की पहचान कैसे करनी है। भाजपा की कार्यशाला में इन आंकड़ों को अभियान का आधार बनाकर तीन श्रेणियों में छूटे मतदाताओं की पहचान करने पर जोर रहेगा। जिला प्रभारी, जिलाध्यक्ष, अभियान संयोजक और मोर्चों के अध्यक्षों को इसकी जिम्मेदारी दी जाएगी।

अमित शाह का ओडिशा दौरा, पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में करेंगे शिरकत

भुवनेश्वर, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 29 नवंबर को ओडिशा में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 28वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। क्षेत्रीय सहयोग और राज्यों के बीच समन्वय की दृष्टि से इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में क्षेत्र से जुड़े विभिन्न प्रशासनिक और विकास संबंधी विषयों पर विचार–विमर्श का अवसर मिलेगा। केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक के माध्यम से केंद्र और संबंधित राज्यों के बीच सहयोग को मजबूत बनाने पर ध्यान रहने की उम्मीद है। ओडिशा में आयोजित होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक को लेकर अब आगामी कार्यक्रम पर नजर रहेगी।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 28वीं बैठक का आयोजन 29 नवंबर को किया जाएगा। इस बैठक का महत्व पूर्वी क्षेत्र के राज्यों



के बीच आपसी सहयोग और प्रशासनिक समन्वय के संदर्भ में है। क्षेत्रीय परिषदों की बैठकों के माध्यम से राज्यों और केंद्र सरकार के बीच विभिन्न विषयों पर विचार–विमर्श का अवसर मिलता है। ऐसे में ओडिशा में होने वाली इस बैठक को क्षेत्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक केंद्र और राज्यों के बीच संवाद का महत्वपूर्ण मंच है। इस तरह की बैठकों में संबंधित राज्यों के साझा हितों और क्षेत्रीय आवश्यकताओं से जुड़े विषयों पर चर्चा की जा सकती है। विभिन्न राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और प्रशासनिक स्तर पर सहयोग बढ़ाने में क्षेत्रीय परिषदों की भूमिका महत्वपूर्ण रहती है।

कर्नाटक की विकास यात्रा को मिलेगी नई गति, मध्यम वर्ग को बनाएंगे आर्थिक प्रगति का भागीदार – पीएम मोदी

कर्नाटक, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु में कनेक्टिविटी और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी 15,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि ये परियोजनाएं कर्नाटक की विकास यात्रा को नई गति देंगी और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यपाल सुधा यादव का उल्लेख करते



हुए कहा कि उनके पति ने कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान दिया था। उसके बाद भी उन्होंने मां भारती की सेवा का प्रण निभाया और संसद से लेकर अब कर्नाटक में सेवाभाव से काम कर रही हैं। उन्होंने राज्यपाल को शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने कहा कि 2014 में बेंगलुरु का मेट्रो नेटवर्क सिर्फ 14 किलोमीटर था, जो आज 100 किलोमीटर से अधिक हो गया है। दिल्ली–एनसीआर और मुंबई के बाद बेंगलुरु देश का तीसरा अर्बन सेंटर बन गया है, जिसने मेट्रो नेटवर्क में 100 किलोमीटर का आंकड़ा पार किया है। उन्होंने इसे ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ ट्रैवल की नई सोच का परिणाम बताया। पीएम मोदी ने बताया कि हाल ही में कर्नाटक को राज्य की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मिली थी और अब गोवा से जोड़ने वाली वंदे भारत ट्रेन भी मिली है। इससे तटीय मार्ग के यात्रियों को सेमी हाईस्पीड अनुभव मिलेगा। उन्होंने कहा कि ईरान और खाड़ी देशों के आसपास के तनाव ने ऊर्जा सुरक्षा की जरूरत को रेखांकित किया है। बीते दशक में पेट्रोल–डीजल–एलपीजी उत्पादन बढ़ाने, कच्चे तेल के भंडारण, सोलर–हाइड्रो–विंड एनर्जी के विस्तार और रेलवे के लगभग शत–प्रतिशत विद्युतीकरण जैसे कदमों ने भारत को संकट का सामना करने में मदद की।

टीबी के खिलाफ लड़ाई में भारत ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, इलाज की सफलता दर 94प्रतिशत - जेपी नड्डा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तपेदिक (टीबी) के खिलाफ देश की लड़ाई के अच्छे नतीजे सामने आए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा (जे.पी. नड्डा) की ओर से सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की गई है। जेपी नड्डा ने एक्स पोस्ट में लिखा, "टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई के अच्छे नतीजे दिख रहे हैं! डब्ल्यूएचओ ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2026 में भारत की बड़ी तरक्की को दिखाया गया है, जिसमें 2015 से टीबी से होने वाली मौतों में 38 प्रतिशत की कमी आई है, जो दुनिया भर में 35 प्रतिशत की गिरावट और 94 प्रतिशत इलाज की सफलता दर को पार कर गई है।" केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने लिखा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, टीबी के खिलाफ हमारी



लड़ाई एक देशव्यापी जन आंदोलन बन गई है, जो तकनीक, सामुदायिक भागीदारी और मरीजों पर ध्यान देने वाली देखभाल से चल रही है।" उन्होंने लिखा, "टीबी मुक्त भारत अभियान के जरिए, 25 करोड़ से ज्यादा लोगों की तेज स्क्रीनिंग की गई है। 11 करोड़ से ज्यादा चेस्ट एक्स–रे और 3 करोड़ से ज्यादा मॉलिक्यूलर टेस्ट किए गए हैं। 48.64 लाख टीबी के मामलों का पता चला, जिनमें लगभग 15 लाख बिना लक्षण वाले मामले शामिल हैं, जिससे जल्दी इलाज हो सका। एआई–इनेबल्ड डायग्नोस्टिक्स से लेकर निक्षय पोषण योजना के तहत न्यूट्रिशनल सपोर्ट और निक्षय मित्रों की मेहनत से, हम टीबी केयर के हर पहलू को मजबूत कर रहे हैं।" जेपी नड्डा ने आगे लिखा, "ये कामयाबियां हमारे इस इरादे को और पक्का करती हैं कि कोई भी टीबी मरीज पीछे न छूटे। जनभागीदारी और हमारी साझा प्रतिबद्धता के साथ, हम टीबी–मुक्त भारत की ओर बढ़ते रहेंगे।" बता दें कि पिछले महीने देश में तपेदिक (टीबी) के खिलाफ लड़ाई में सामुदायिक भागीदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के सहयोग से 'जोश' (जोश–जॉइंट स्क्वाड फॉर हेल्थ) टीमों का शुभारंभ किया गया था।

मध्यप्रदेश में शिवपुरी बन रहा नई खेल प्रतिभाओं का केंद्र - ज्योतिरादित्य सिंधिया

शिवपुरी, (एजेंसी)। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को शिवपुरी स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 70वीं राष्ट्रीय स्कूल गेम्स एथलेटिक्स चौंपियनशिप (अंडर–17 बालक) तथा प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों से आए युवा खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों और खेल प्रेमियों का स्वागत किया। इसके पहले केंद्रीय मंत्री अंडर–18 अंतर–जिला क्रिकेट टूर्नामेंट का भी शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान सिंधिया ने क्रिकेट भी खेला और उनका उत्साहवर्धन किया। देश भर के आए खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शिवपुरी की धरती पर देशभर



की खेल प्रतिभाओं का एकत्रित होना गौरव का विषय है। खिलाड़ी यहां केवल पदक जीतने नहीं, बल्कि अपने सपनों को नई उड़ान देने और अपने प्रदेश एवं देश का प्रतिनिधित्व करने आए हैं। इस दौरान केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का नाम उनके पूज्य पिताजी श्रीमंत माधवराव सिंधिया जी के नाम पर है। उनके पिताजी का खेलों के प्रति विशेष लगाव था। उनका मानना था कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास और चरित्र निर्माण का माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि उनके पिताजी चाहते थे कि युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर अवसर और मंच मिले। आज इसी परिसर में देश के विभिन्न राज्यों के सैकड़ों खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाते देखकर उन्हें विशेष संतोष हो रहा है। इस परिसर को आने वाले समय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने का केंद्र बनाना ही उनके पिताजी की सोच को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि शिवपुरी खेल के क्षेत्र में भी यह नई पहचान बना रहा है। शहर में श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, वीर सावरकर स्टेडियम, विजयपुर स्टेडियम और इंडोर हॉल जैसी खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने विशेष रूप से मध्य प्रदेश राज्य महिला क्रिकेट अकादमी का उल्लेख करते हुए ।

इकोनामी, स्पेस व एआई के साथ आध्यात्मिक चेतना महत्वपूर्ण – राजनाथ सिंह

लखनऊ, (संवाददाता)। देश के रक्षामंत्री और लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को अपने ही संसदीय क्षेत्र के एक कार्यक्रम में सवाल किया कि 21वीं सदी के भारत में आध्यात्मिकता का क्या स्थान होगा। उन्होंने इसका जवाब देते हुए कहा कि देश ऐसे दौर में है जहां अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ रही है, स्पेस में पहुंचने के साथ आर्टिफिशल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में दखल बढ़ रहा है लेकिन यदि मन पर नियंत्रण नहीं है तो सब बेकार है। ऐसे में ब्रह्मकुमारीज का महत्व बढ़ जाता है, क्योंकि वह मन की जीतने की कला सिखा रहे हैं। जोर देकर कहा कि भारत आध्यात्मिकता के साथ चलकर ही विकसित होगा और विश्व गुरु बनेगा। सुलतानपुर रोड पर गुलजार उपवन में शुक्रवार को शदिव्य संस्कृति भवनश का लोकार्पण करने के बाद रक्षामंत्री ने कहा कि आध्यात्मिकता का अर्थ स्वयं के शरीर से आगे देखना है। तनाव, चिंता व प्रमाद आध्यात्मिक



चेतना के प्रकाश से ही दूर होगा। यह चेतना लोगों को संसार से विरक्त नहीं करती बल्कि समाज का जिम्मेदार नागरिक बनाती है। लखनऊ में ही एक ओर ब्रह्मकुमारीज की शांति है तो दूसरी ओर ब्रह्मोस की शक्ति भी है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत में नागरिकों को ईमानदार, अनुशासित और राष्ट्र भक्त बनाने का काम यही चेतना करेगी। युवाओं को राजनीति को सही अर्थ में समझना होगा, राजनीति आरोप प्रत्यारोप व वाद विवाद तक सीमित नहीं है बल्कि यह समाज सन्मार्ग की ओर ले जाती है। रक्षामंत्री ने कहा कि अगला चुनाव कैसे जीते की जगह अगली पीढ़ी को कैसे संवारे की सोच जरूरी है।

परिसीमन विधेयक पर संसद सत्र की विपक्ष को कोई जानकारी नहीं – प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने शुक्रवार को कहा कि प्रस्तावित परिसीमन विधेयक पारित कराने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की केंद्र सरकार की किसी योजना के बारे में विपक्षी दलों को जानकारी नहीं दी गई है। प्रियंका बुधवार से शुरू हुए अपने चार दिवसीय दौरे के तहत अपने



निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा ले रही हैं। संसद का विशेष सत्र बुलाकर प्रस्तावित परिसीमन विधेयक पर चर्चा किए जाने की योजना संबंधी खबरों के बारे में संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, सरकार ने हममें से किसी को इसकी सूचना नहीं दी है। इसलिए, यदि वे इसकी योजना बना रहे हैं तो मुझे नहीं पता। फिलहाल मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। विभिन्न मुद्दों पर केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्ष के प्रदर्शन के बारे में प्रियंका ने आरोप लगाया कि असहमति जताने वाले लोगों की आवाज दबाई जा रही है। उन्होंने कहा, जो भी कुछ कहना चाहता है या अपनी बात रखना चाहता है, उसे दबा दिया जाता है और बोलने से रोक दिया जाता है। हमने पिछले कुछ महीनों में लगातार ऐसा होते देखा है। उन्होंने आरोप लगाया, हम संविधान और उसके मूल्यों की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं। हम इसलिए संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि हमारे देश में संविधान और उसके मूल्यों की रक्षा करने वाली सभी संस्थाओं को भाजपा व्यवस्थित तरीके से कमजोर कर रही है।

चौदह व पंच कोसी परिक्रमा के साथ साथ कार्तिक पूर्णिमा मेले की तैयारियों को लेकर कमिश्नर-डीआईजी ने किया निरीक्षण

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या।रामनगरी अयोध्या में छठ पूजा,चौदहकोसी–पंचकोसी परिक्रमा और कार्तिक पूर्णिमा मेले की तैयारियां तेज हो गई हैं। मेले को सकुशल संपन्न करने के लिए मंडलायुक्त राजेश कुमार और डीआईजी सोमेन बर्मा ने जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ लग्जरी बस से 14 कोसी परिक्रमा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया।इस दौरान बस में सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे और मार्ग पर व्यवस्थाओं का



जायजा लिया।स्थलीय निरीक्षण करने से पहले मंडलायुक्त राजेश कुमार ने डीआईजी सोमेन बर्मा के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों की समीक्षा बैठक की।बैठक में आगामी धार्मिक आयोजनों की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 18 नवंबर को चौदहकोसी परिक्रमा और अक्षय नवमी, 20 नवंबर को पंचकोसी परिक्रमा एवं एकादशी तथा 24 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा स्नान और गुरु नानक जयंती मनाई जाएगी। मंडलायुक्त ने निर्देश दिया कि परिक्रमा मार्गों और मेला क्षेत्र में साफ–सफाई, पेयजल, बिजली और प्रकाश व्यवस्था समय से दुरुस्त कर ली जाए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मोबाइल शौचालय, चिकित्सा शिविर, एंबुलेंस और आवश्यक दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सीसीटीवी कैमरे लगाने, बैरिकेडिंग, यातायात प्रबंधन, पार्किंग और भीड़ नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।मंडलायुक्त ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से निर्धारित समय सीमा के भीतर तैयारियां पूरी करें।श्रद्धालुओं की सुविधा,सुरक्षा और सुगम आवागमन प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

संपादकीय

देश में अशांति का माहौल

मुंह मोड़ लेने से वो ठोस हकीकतें नहीं बदल जाएंगी, जिस कारण देश में अशांति का माहौल बना है। अतरू बेहतर यह होगा कि सत्ता पक्ष आंदोलनकारियों से संवाद बनाते हुए उनका भरोसा हासिल करे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने विजय दशमी पर जो कहा, उसका सार है कि भारत के खिलाफ कोई बड़ी साजिश रची गई है। उन्होंने कहा कि कुछ ष्दानवी शक्तियांष भारत, हिंदुओं, और आरएसएस को विघटित करने की कोशिश में हैं। फ्रांस, अल्बानिया, नेपाल, बांग्लादेश आदि में हुई घटनाओं का उल्लेख करते हुए भागवत ने कहा कि इनके पीछे जो शक्तियां मौजूद रही हैं, उनके निशाने पर भारत भी है। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन अंदाजा लगाया गया है कि उनके निशाने पर श्कॉकरोचश्व आंदोलन से शुरू हुए विरोध प्रदर्शन थे।

इसी अवसर पर प्रधानमंत्री ने भी ष्देश के शत्रुओंष की बात की। नरेंद्र मोदी ने उन लोगों या ताकतों को ष्देश का दुश्मनष बताया, जो ष्देश के सम्मान को नुकसान पहुंचाते हैं, समाज को बांटते हैं और भारतीय संस्कृति से घृणा करते हैं।ष स्पष्टतरू संघ प्रमुख और प्रधानमंत्री दोनों इस समय विभिन्न जन समूहों– खासकर नौजवानों के जाहिर हो रहे असंतोष को वैध असहमति या विरोध प्रदर्शन के रूप में नहीं देखते। वे इसे श्भारत के विकासश्व के खिलाफ किसी षड्यंत्र का हिस्सा मानते हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि सरकार ने विरोध प्रदर्शनों के प्रति दमनकारी तरीके क्यों अपना रखे है। यह रुख इस हद तक है कि संयुक्त राष्ट्र के मानव अधिकार विशेषज्ञों की एक टीम ने श्निहत्थे छात्रों के खिलाफश्व बल प्रयोग को श्परेशान करने वाली कार्रवाईश्व बताया है। संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार परिषद के इस बयान में हाल में सात हजार से ज्यादा नौजवानों, पत्रकारों, वकीलों, राजनीतिक दलों एवं अन्य संगठनों के सदस्यों को हिरासत में लिए जाने और उनके फोन से प्रतिरोध संबंधी सामग्रियां डिलीट किए जाने की कथित षचिंताजनकष घटनाओं का जिक्र किया गया है। जाहिर है, सत्ता पक्ष जो तस्वीर पेश करना चाहता है, उसके अपने दायरे के बाहर उसकी कहीं सहज स्वीकृति नहीं है। उसे समझना चाहिए कि मुंह मोड़ लेने से वो ठोस हकीकतें नहीं बदल जाएंगी, जिस कारण देश में अशांति का माहौल बना हुआ है। अतरू बेहतर नजरिया यह होगा कि सरकार आंदोलनकारियों से संवाद बनाते हुए उनका भरोसा हासिल करे।

चुनौतियों से मुंह छिपाती सरकार

बुधवार सुबह सात बजे के करीब असम में एक बड़ी ट्रेन दुर्घटना होते–होते बची। गुवाहाटी के पास दिगारू रेलवे स्टेशन पर कोलकाता–सैरांग एक्सप्रेस पटरी से उतर गई, जिसमें कुछ यात्री घायल हुए हैं, हालांकि किसी की जान जाने की खबर नहीं है, जो बड़ी राहत की बात है। पहले जो जानकारी आई, उसके मुताबिक जनशताब्दी एक्सप्रेस को रास्ता देने के लिए जब इस ट्रेन को लूप लाइन पर रोका जा रहा था, तो लोको पायलट ट्रेन की गति नियंत्रित नहीं कर सके और ट्रेन डेड–एंड के बैरिकेड्स से टकराकर पटरी से उतर गई। लेकिन असल बात यह है कि ट्रेन का इमरजेंसी ब्रेक और ब्रेक प्रेशर सिस्टम (ए 9ध्एसए 9) फेल हो गया। सोशल मीडिया पर लोको पायलट के केबिन का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वे ब्रेक काम न करने की बात कह रहे हैं। इस वीडियो में लोको पायलट को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि श्कुछ भी काम नहीं कर रहा हैश सिग्नल लाल है, लेकिन एसए 9 और ए9 काम नहीं कर रहे हैंश। शायद लोको पायलट ने इस आपात स्थिति में मोबाइल से रिकॉर्डिंग कर ली, ताकि सच्चाई सबके सामने आए। वर्ना रेलवे अधिकारियों ने तो बयान दे दिया था कि लोको पायलट ट्रेन की रफ्ध्तार पर काबू नहीं रख सके, जिससे इंजन और पांच डिब्बे पटरी से उतर गए।कायदे से छोटी सी छोटी दुर्घटना होने पर भी रेलवे को बाकायदा जांच करवा कर ही किसी नतीजे पर पहुंचना चाहिए। इससे भविष्य में दुर्घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी, क्योंकि जांच में जो कारण सामने आएंगे, फिर उन पर सुधार का काम हो सकेगा। किसी भी व्यवस्था को ऐसे ही दुरुस्त बनाया जाता है। लेकिन भारत में अब काम के तरीके और जिम्मेदारी का अहसास दोनों बदल चुके हैं। एक तेज रफ्तार ट्रेन के इंजन समेत पांच डिब्बे उतर गए और बिना किसी जांच के ही अधिकारी ने सारा ठीकरा लोको पायलट पर फोड़ दिया था कि उसने रफ्तार पर काबू नहीं किया। अब उस वीडियो के जरिए वह दिल दहलाने वाला मंजर सामने आ गया, जिसमें वह ट्रेन की गति कम करने की कोशिश में सारे उपाय कर रहा है, लेकिन ब्रेक फेल हो चुके हैं। इस वीडियो को रेलवे कितनी मान्यता देता है और क्या अश्विनी वैष्णव अपने कार्यकाल में हुई एक और बड़ी नाकामी को स्वीकार करते हैं, यह देखना होगा। पूर्व अनुभव तो यही बताते हैं कि रेल मंत्री इस दुर्घटना पर भी बेतुके बयान देकर बच जाएंगे। मीडिया भी इस खबर को महत्व नहीं देगा, क्योंकि किसी की जान इसमें नहीं गई है।वैसे अकेले इस दुर्घटना की बात नहीं है, जिन दुर्घटनाओं में ज्यादा लोग हताहत हुए हैं, उन में भी दोषियों पर क्या कार्रवाई हुई, यह पता करने की फिक्र मीडिया में कहां बाकी रह गई है। कई बड़े अखबार और चौनल तो उन्हीं खबरों पर दिन–भर जोर देते रहते हैं, जो भाजपा की तरफ से प्रेषित की जाती हैं। इस त्योहारी मौसम में स्टेशनों से लेकर ट्रेनों तक आम आदमी किन मुश्किलात से सफर कर रहा है, इस बारे में रिपोर्टिंग करना या प्राइम टाइम में बहस कराने का यह बिल्कुल माकूल वक्त था। लेकिन भाजपा ऐसा नहीं चाहती तो ऐसी कोई खबर, कोई बहस नहीं आती। सोशल मीडिया पर जरूर बहुत सारे वीडियो सामने आए हैं, जिनमें लोग मवेशियों से भी बदतर हालात में जनरल बोगियों में ठूंसे हुए हैं, दरवाजे के हैंडल पकड़े आधे लटके, आधे खड़े हैं। किसी के हाथ में छोटा बच्चा है, कोई बूढ़ा–लाचार है, कोई स्त्री इतनी भीड़ में असहज है। लेकिन फिर भी अपने घरों तक जाने के लिए यही सस्ता जरिया है, तो मजबूरी में लोग ऐसे असुविधाजनक और जोखिम भरे सफर करते हैं। दीपावली पर दीए और पटाखे जलाने में मशगूल सत्ताधारियों को आम जनता की यह तकलीफ नजर नहीं आती। ट्रेनों की दुर्दशा को अगर खबरों में लगातार महत्व मिले तो मोदी सरकार पर दबाव बन सकता है कि वह इस तरफ सुधार के लिए काम करे, न कि केवल रील बनाकर मंत्री महोदय अपना प्रचार करते रहें।असम की ट्रेन दुर्घटना के बाद एक बुरी खबर कश्मीर से भी आई कि कुलगाम के मीर बाजार में सीआरपीएफ कैंप पर आतंकी हमला हुआ, जिसमें तीन जवान घायल हुए हैं। एक जवान के पेट में गोली लगी है, उनकी हालत गंभीर है, वहीं अन्य दो मामूली रूप से घायल हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने दसियों बार आतंकवाद के खात्मे के दावे किए हैं। 2016 की नोटबंदी फिर 2019 में जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के वक्त मोदी ने आतंकवाद पर बड़े प्रहार का ही दावा किया था। अमित शाह भी यही कहते रहे। लेकिन फिर पुलवामा भी हुआ और पहलगाम भी। और कुलगाम जैसी कुछ और आतंकी घटनाएं भी हुई हैं। चूंकि पुलवामा और पहलगाम में मरने वालों की संख्या ज्यादा थी तो सरकार को कच्चा–पक्का कुछ भी जवाब देने आना ही पड़ा, वर्ना इस सरकार की आदत यही बन चुकी है कि किसी भी तरह जवाबदेही से बच जाए। कुलगाम के सीआरपीएफ कैंप पर अगर हमला करने का दुस्साहस आतंकियों ने किया है, तो इसका सीधा मतलब है कि आतंकवाद की चुनौती अभी बरकरार है।

राजीव का वो फैसला और चमक गई गौतम अडानी की किस्मत



अभिनय

साल 2003, गुजरात की सियासत और कारोबार दोनों करवट ले रहे थे। राज्य में निवेश खींचने के लिए सरकार ने वाइब्रेंट गुजरात समिट नाम से एक भव्य मंच सजाया। उस शाम पूरे देश की निगाहें टाटा, बिड़ला और अंबानी जैसे भारतीय उद्योग जगत के दिग्गजों पर टिकी थीं। हर कोई यही कयास लगा रहा था कि कौन कितना बड़ा दांव खेलेगा। लेकिन बाजी एक ऐसे नाम ने पलटी, जिसे तब तक लोग कॉरपोरेट जगत का श्नया खिलाड़ीश समझ रहे थे। भरी महफिल में जब इस कारोबारी ने पूरे 15,000 करोड़ रुपये के निवेश का ऐलान किया, तो सभागार में सन्नाटा छा गया, हर कोई हैरान था! दरअसल, यह कोई नौसिखिया नहीं, बल्कि शतरंज की बिसात का वह मंझा हुआ खिलाड़ी था, जो खामोशी से साम्राज्य खड़ा कर रहा था। साल 2000 में महज 3,300 करोड़ के टर्नओवर से शुरू हुआ उनका सफर 2013 में 47,000 करोड़ तक पहुंचा, और 2022 आते–आते 150 बिलियन डॉलर के आंकड़े को छूकर उन्होंने देश के तमाम दिग्गज पूंजीपतियों को पीछे छोड़ दिया। भारतीय कारोबार की तस्वीर बदल देने वाला यह नाम कोई और नहीं, बल्कि गौतम अडानी थे। अब उन्हीं गौतम अडानी को लेकर चर्चा है कि जब वो ग्रुप की कमान छोड़ेंगे तो इतना बड़ा बिजनेस एंपायर कौन संभालेगा? फॉर्चुन इंडिया के इंटरव्यू में अडानी ने बताया कि आगे ग्रुप की लीडरशिप, उनके दो बेटे और दो भतीजे मिलकर संभालेंगे। वैसे 2024 में भी उनके 70 साल की उम्र में रिटायर होने की खबर आई थी। कौन है ये चार लोग? और क्या ये सारी कंपनियां चार हिस्सों में बटने वाली है। कहीं अडानी का पोर्ट है, कहीं एयरपोर्ट, घर बन रहा है तो सीमेंट, कारखाना चल रहा है तो बिजली और गैस का काम। गैस, बिजली से लेकर एयरपोर्ट, पोर्ट, सीमेंट, डाटा सेंटर, न्यूज रूम्स, न्यूज चौनल्स तक कंपनियों की जो वैल्यू है वो करीब ध17 लाख करोड़ है। तो इतने बड़े ग्रुप की कमान कैसे बदलेगी? किसके हाथ कौन सा बिजनेस होगा? इसी का एमआरआई स्कैन करेंगे। गौतम शांतिलाल अडानी की कहानी शुरू होती है अहमदाबाद से। जहां उनके पिता शांतिलाल अडानी गुजरात के ही थराड में स्थित अपना पैतृक घर छोड़कर कपड़े के कारोबार के लिए अहमदाबाद आ गए थे। शहर के पोल इलाके की शेठ चॉल में रहने लगे थे। इसी चॉल में साल 1962 के जून महीने में पैदा हुए गौतम अडानी। अहमदाबाद के सेठ चिमनलाल नगीना दास विद्यालय से 12वीं करते–करते अडानी को उनके मामा ने कुछ नया करने की सलाह दी और मामा की सलाह मानकर 16 साल की उम्र में गौतम अडानी ने पढ़ाई छोड़ दी। पिता से 100 लिए और निकल गए बंबई। उस वक्त बंबई में उनके भाई विनोद भाई अडानी रहते थे जो विपिन मिल्स और राजेश मिल्स के लिए थोक में कट पीस कपड़े का काम करते थे। गौतम उन्हीं के पास पहुंचे और दक्षिण मुंबई के एक कॉलेज में कॉमर्स में एडमिशन ले ली। उस कॉलेज के पास ही बंबई की हीरा कंपनी महिंद्रा ब्रदर्स का दफ्तर था। यह कंपनी सीधे खदानों से कच्चा हीरा खरीदती थी। उसकी कटिंग और पॉलिशिंग करती थी और फिनिशिंग के बाद उसे बाजार में बेच देती थी। गौतम ने पढ़ाई के साथ इस कंपनी में काम शुरू कर दिया। काम मिला हीरों की छटाई का। अलग–अलग साइज और अलग–अलग क्वालिटी के हीरे को अलग–अलग छांटना ही गौतम अडानी का शुरुआती काम था। हीरे छांटते–छांटते उन्हें हीरे की अच्छी खासी परख हो गई। वो हीरे की शुद्धता, उसके कट और उसकी चमक को पहचान कर उसकी कीमत को समझने लगे थे। इस दौरान अडानी को कॉलेज में हाजिरी भी लगानी होती थी और हीरा कंपनी में काम। इस दौरान अडानी को कॉलेज में हाजिरी भी लगानी होती थी और हीरा कंपनी में काम भी करना होता था। पढ़ाई और काम के बीच एक दिन गौतम बीमार पड़ गए। ना तो पढ़ाई हो पा रही थी और ना ही नौकरी। तो उन्होंने पढ़ाई को अलविदा कहा और सारा ध्यान हीरे पर केंद्रित कर दिया। 2 साल के अंदर–अंदर उन्होंने हीरा कारोबार को समझ लिया और फिर महिंद्रा ब्रदर्स की नौकरी छोड़ दी। साल 1980 में खुद की एक छोटी ब्रोकरेज फर्म बनाई जो कंपनी और खरीदार के बीच कड़ी का काम करने लगी। 1981 में गौतम अडानी के बड़े भाई मनसुख भाई ने अहमदाबाद में एक प्लास्टिक फैक्ट्री खरीदी। प्लास्टिक बनाने वाले कच्चे माल (प्टब) की भारी मांग को देखते हुए उन्होंने गौतम को मुंबई से वापस बुला लिया। भाई की अपनी कंपनी से जुड़ने के लिए गौतम अपना जमा–जमाया हीरे का कारोबार छोड़कर अहमदाबाद लौट आए। अहमदाबाद आकर उन्होंने अपने भाइयों के साथ मिलकर काम संभाला और जल्द ही दो और फैक्ट्रियां (कुल तीनरू ईजी, ईको और इलट) खोल लीं। उस समय श्लाइसेंस राजश के कारण सरकारी कंपनी से हर महीने सिर्फ 2 टन पीवीसी मिल पाता था, जबकि उनकी जरूरत 20 टन की थी। तभी राजीव गांधी सरकार ने नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए पीवीसी को श्ओपन जनरल लाइसेंसश (व्ळस्) श्रेणी में डाल दिया। इससे बिना सरकारी इजाजत के विदेश से पीवीसी मंगाने का रास्ता साफ हो गया, जिसने रातोंरात गौतम अडानी की किस्मत बदल दी। उस समय कोटा–परमिट राज के कारण सरकारी कंपनी श्आईपीसीएलश (प्च्ब्स्) से हर महीने केवल 2 टन पीवीसी मिल पाता था, जबकि अडानी भाइयों की जरूरत 20 टन की थी। तभी राजीव गांधी सरकार ने पीवीसी के नियमों में ढील देते हुए इसे श्ओपन जनरल लाइसेंसश (व्ळस्) श्रेणी में डाल दिया। इस फैसले से बिना सरकारी इजाजत के विदेश से पीवीसी आयात करने का रास्ता खुल गया, जिससे गौतम अडानी और धीरूभाई अंबानी जैसे कारोबारियों की किस्मत रातोंरात चमक गई। फिर 1990 के दशक में मुद्रा पोर्ट आया। जहाज से माल उतारना, स्टोर करना और आगे भेजना। इसी से ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स का काम बढ़ा। लॉजिस्टिक्स यानी सामान पहुंचाने का पूरा सिस्टम। इसके बाद कोयला, बिजली, गैस, एयरपोर्ट और सीमेंट। 2022 में सीमेंट कंपनियां खरीदने के साथ ग्रुप के बिजनेस में एक और बड़ा सेक्टर जुड़ गया। उसी दौर में मीडिया बिजनेस में भी एंट्री हुई और एनडी ग्रुप का हिस्सा बना। कुछ कारोबार नए शुरू हुए। कुछ कंपनियां खरीद कर ग्रुप में जोड़ी गई। इस विस्तार में गौतम अडानी के अलावा परिवार के दूसरे सदस्यों और प्रोफेशनल मैनेजमेंट की भी एक इंपॉर्टेंट भूमिका रही। फॉर्च्यून के मुताबिक ग्रुप दो दर्जन से ज्यादा बिजनेस में मौजूद है। 10 नवंबर को फॉर्चुन इंडिया ने गौतम अडानी का एक इंटरव्यू पब्लिश किया। इसमें अडानी ने अगली पीढ़ी की लीडरशिप को लेकर एक बात कही। उन्होंने कहा अगली पीढ़ी को लीडरशिप विरासत में नहीं मिलती। उसे कमाने की जिम्मेदारी मिलती है। यानी घर का नाम काफी नहीं काम भी दिखाना होगा। वो चाहते हैं कि चारों पुराने फैसलों पर सवाल करें। बड़े स्तर पर सोचे और लंबे समय तक चलने वाले बिजनेसेस बनाएं। इन चारों की टीम को जी2 लीडरशिप कहा जाता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि कंपनियां इनके नाम हो गई हैं। गौतम अडानी अभी चेयरमैन है।

18 हजार भारतीय होंगे डिपोर्ट, मिड टर्म में हार के बाद खुन्नस में ट्रंप अब करने वाले हैं



अभिनय

मिडटर्म चुनावों में मिली करारी शिकस्त ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राजनीतिक समीकरणों को हिलाकर कर रख दिया है। इस चुनाव में भारतीय–अमेरिकी समुदाय का रुझान सबसे निर्णायक साबित हुआ, जहाँ लगभग 65 फीसदी भारतीय मूल के मतदाताओं ने रिपब्लिकन पार्टी को नकारते हुए डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान किया। इस चुनावी झटके के फौरन बाद ट्रंप प्रशासन का रुख भारतीय प्रवासियों के प्रति बेहद सख्त हो गया है। माना जा रहा है कि राजनीतिक प्रतिशोध और अपनी कट्टर अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत ट्रंप सरकार ने अब भारतीय कामगारों और प्रवासियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। प्रशासन अब H-1B वर्क वीजा के नियमों को और अधिक कड़ा करने के साथ–साथ अमेरिका में मौजूद 18,000 अवैध भारतीय प्रवासियों के निर्वासन की प्रक्रिया को युद्धस्तर पर आगे बढ़ाने की तैयारी में है। आंकड़े बताते हैं कि संकट की यह आहट पहले से ही जमीन पर दिख रही थी। साल 2025 में 3,567 भारतीयों को निर्वासित किया गया, जो पिछले 15 वर्षों का सर्वाधिक आंकड़ा था, जबकि इस वर्ष जून तक ही 1,076 लोगों को वापस भेजा जा चुका है। वहीं, वीजा सख्ती का सीधा असर पेशेवरों पर भी पड़ा है। भारत से H-1B वीजा पंजीकरण पिछले साल के 1.72 लाख से गिरकर इस साल महज 1.06 लाख रह गया है। यह नया कदम साफ संकेत है कि अमेरिका में रह रहे और वहां जाने का सपना देख रहे भारतीयों के लिए आने वाले दिन बेहद चुनौतीपूर्ण साबित होने वाले हैं। ट्रम्प समर्थक श्वेत कट्टरपंथी खुद को मागा कहते हैं। मागा यानी मेक अमेरिका ग्रेट अगेन। वे भारतीयों के बढ़ते दबदबे को नापसंद करते हैं। जनवरी 2024 से जून 2026 के बीच एक्स पर भारतीय विरोधी नफरत 240 बढ़ी। जनवरी 2024 में भारत विरोधी 12,904 पोस्ट थीं, जो जून 2026 में बढ़कर 43,843 हो गई थीं। सिएटल में दिवाली प्रोग्राम में ट्रम्प के मागा समर्थक पहुंच गए। उनके हाथों में कुछ पोस्टर थे, जिन पर लिखा था– सभी भारतीयों को देश से निकालो, हिंदू ईसाइयों की जगह ले रहे हैं। अमेरिका में मिडटर्म चुनाव के बाद भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ नस्लीय नफरत का मामला सामने आया है। सीएटल में दिवाली समारोह के दौरान दो दक्षिणपंथी कार्यकर्ता जेक लैंग और थॉमस एलन पोस्टर लेकर पहुंच गए। पोस्टरों पर श्डिपोर्ट ऑल डॉट हेड्सश (सभी डॉट हेड्स को देश से निकालो) और श्क्रिश्चियन अमेरिका में हिंदुओं का कब्जाश जैसे नारे लिखे थे। डॉट हेड्स शब्द भारतीयों, खासकर बिंदी या माथे पर तिलक लगाने वाले दक्षिण एशियाई लोगों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला नस्लीय अपमानजनक शब्द है। घटना के बाद आयोजको ने दोनों को कार्यक्रम से बाहर कर दिया। इस दौरान धक्का–मुक्की भी हुई। कांग्रेस सदस्य प्रमिला जयपाल ने घटना की निंदा करते हुए इसे नस्लवादी बताया। ट्रंप समर्थकों का आरोप है कि मध्यावधि चुनावों में ट्रंप की पार्टी की हार के पीछे भारतीयों का हाथ था। जिस समय यह घटना हुई, उस वक्त बच्चे सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दे रहे थे। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने नारेबाजी कर रहे प्रदर्शनकारियों का विरोध किया और उन्हें वहां से हटा दिया। हिंदुओं पर डेमोक्रेट्स की जीत में मदद करने का आरोप भारतीयों के खिलाफ नारे लगाने वालों में से एक की पहचान जैक लैंग के रूप में हुई है। वह राष्ट्रपति ट्रम्प के समर्थक हैं। कार्यक्रम से बाहर निकाले जाने के बाद, जैक लैंग ने हिंदुओं को दोष देना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि टेक्सास में डेमोक्रेटिक पार्टी को जिताने में हिंदुओं ने मदद की थी। लैंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि दिवाली कार्यक्रम के दौरान एंटीफा और हिंदू समुदाय के दर्जनों लोगों ने उन पर और उनके साथियों पर हमला किया। उन्होंने दावा किया कि लोगों ने उनके साथ मारपीट की और उनका झंडा तोड़ दिया। कार्यक्रम के बाहर, उन्होंने कहा कि वे अमेरिका के टेक्सास और वाशिंगटन में ईसाइयों की जगह हिंदुओं के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। जैक लैंग अमेरिका में एक दक्षिणपंथी कार्यकर्ता हैं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक हैं। वे श्व्हाइट रिप्लेसमेंटश नाम का एक संगठन चलाते हैं। 6 जनवरी 2021 को जब ट्रंप समर्थकों ने अमेरिकी कैपिटल पर हमला किया, तो जैक लैंग भी उनमें शामिल थे। इस मामले में उन पर कई आरोप लगे, जिनमें पुलिस अधिकारियों पर हमला करना भी शामिल था। उन्होंने लगभग चार साल जेल में बिताए। जनवरी 2025 में राष्ट्रपति बनने के बाद, ट्रंप ने उन्हें माफ कर दिया। इसके बाद भी, वे प्रवासियों, मुसलमानों और अन्य समुदायों के खिलाफ कई विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लेते रहे हैं। 2026 में, उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी के टिकट पर फ्लोरिडा से अमेरिकी सीनेट का चुनाव लड़ने की भी कोशिश की।

खादी और ग्रामोद्योग– समावेशी और टिकाऊ भारत का ताना–बाना बुनना

नितेश

हम भारत के गौरवान्वित नागरिक हैंकृजो आज नामीनल जीडीपी की दृष्टि से विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है । आर्थिक विकास का एक बड़ा हिस्सा एमएसएमई क्षेत्र से संचालित होता है, जिसका देश की समग्र जीडीपी में एक–तिहाई योगदान है। इसमें भी ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों का प्रमुख योगदान है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से खादी और हथकरघा क्षेत्र जैसे कुटीर उद्योगों के साथ–साथ ग्रामीण कारीगरों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प उत्पादों पर निर्भर करती है। ऐसे समय में, जब दुनिया असमानता, जलवायु परिवर्तन और संसाधनों के क्षरण जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, वहीं आईटी और सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में एआई नौकरियों को लगातार निगलते हुए तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में, खादी और ग्रामोद्योग (केवीआई) सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत के विजन को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ये कम संसाधनों का उपयोग करके विभिन्न कौशल स्तरों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाकर स्थानीय स्तर पर पलायन को कम करने में भी सक्षम हैं। खादीकृहाथ से काता और हाथ से बुना हुआकृभारत की आत्मा रही है। जिम्मेदार उत्पादन में ऊर्जा और जल का दक्षतापूर्वक उपयोग करते हुए प्राकृतिक रेशों का इस्तेमाल किया जाता है। विकास के वाहक के रूप में इसकी क्षमता को,ध्ीमी गति से ही सही, लेकिन निरन्तर मान्यता मिल रही है। हमारा उद्योग एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जो प्राचीन काल से चली आ रही है और मानव भावनाओं के व्यक्तिगत स्पर्श तथा अनुकरणीय कौशल के साथ विविध कलात्मक अभिव्यक्तियों को प्रदर्शित करती है। ऋग्वेद, रामायण, महाभारत, थालिया (यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस द्वारा रचित) और कौटिल्य से संबंधित विभिन्न लिखित ग्रंथों में न केवल कताई और बुनाई का उल्लेख मिलता है, बल्कि रेशम और कपास की उच्च गुणवत्ता का भी उल्लेख किया गया है। रामायण में कपास का उल्लेख संत के गुणों से जोड़कर किया गया है, वहीं विभिन्न प्रकार की बुनाइयां समृद्ध सांस्कृतिक ताने–बाने को दर्शाती हैं। हाथ से काते और हाथ से बुने श्जनसमूह द्वारा उत्पादितश्व खादी का उपयोग महात्मा गांधी जी ने उपनिवेशवादियों द्वारा बड़े पैमाने पर किए जाने वाले उत्पादन का मुकाबला करने के लिए किया था। स्वतंत्रता का यह वस्त्र आज अपने प्राकृतिक, आरामदायक और सतत् होने के विशिष्ट गुणों के कारण पसंदीदा फैशन स्टेटमेंट बनता जा रहा है। इसका हस्तनिर्मित स्वरूप इसे विशिष्ट पहचान प्रदान करता है और इसलिए इसे बड़े पैमाने पर होने वाले सामान्यीकृत उत्पादन के साथ मात्रा के स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की आवश्यकता नहीं है। खादी की यात्राकृ स्वदेशी और स्वतंत्रता का एक प्रतीक होने से लेकर समकालीन फैशन और जीवनशैली की पसंद, विशेषकर पर्यावरण के प्रति जागरूक नई पीढ़ी की – बनने तक यह दर्शाती है कि कैसे परंपरा स्वयं को बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं के अनुरूप ढाल सकती है। वास्तव में, निकट–स्रोत उत्पादन की परंपरा, जो अधिक सतत् है, खादी पारिस्थितिकी तंत्र की अंतर्निहित शक्ति है। 21वीं सदी में, केवीआईसी हमारे अधिदेश में माननीय प्रधानमंत्री के आह्वानकृष्राष्ट्र के लिए खादी, फैशन के लिए खादी और परिवर्तन के लिए खादीष्कृसे प्रेरणा लेते हुए कृषि, फाइबर और बाजार के बीच जुड़ाव को सुदृढ़ करने में योगदान दे रहा है। यह ध्यान देने योग्य बात है कि हाथ से कताई, खादी और हथकरघा के बीच प्रमुख अंतरकारी विशेषता है। चूंकि सूत भी हाथ से तैयार किया जाता है, इसलिए उत्पादन की श्रम–प्रधान प्रकृति बड़ी संख्या में लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करती है। वितरित व्यवस्था के तहत तैयार किए गए हस्तनिर्मित लच्छों के एकत्रीकरण का कार्य करने वाली खादी संस्थाओं को पिछले सात दशकों से खादी और ग्रामोद्योग द्वारा सहायता प्रदान की जाती रही है। केवीआईसी के विभागीय और गैर–विभागीय प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से कौशल विकास और कौशल उन्नयन के जरिए क्षमता वृद्धि की जा रही है। देश की दो–तिहाई ग्रामीण आबादी को देखते हुए, इस क्षेत्र का विशेष महत्व है, क्योंकि यह ग्रामीण उद्यमियों के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराता है। इस प्रकार के हस्तक्षेप जमीनी स्तर पर लोगों के लिए आय सृजन के अवसर पैदा करके सीधे एसडीजी 1 (गरीबी उन्मूलन) और एसडीजी 8 (सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास) को आगे बढ़ाते हैं। हाल के उपाय, जिनमें खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा अप्रैल 2025 से कताई और बुनाई की मजदूरी में वृद्धि, कार्य उपकरणों, कार्य परिस्थितियों और उपकरण संबंधी अवसंरचना में सुधार के लिए अतिरिक्त सहायता तथा विपणन संबंधी सुविधाओं को बेहतर बनाना शामिल है, कारीगरों की आय बढ़ाने और पारंपरिक आजीविकाओं को आकर्षक तथा आर्थिक रूप से सतत् बनाने पर दिए जा रहे जोर को और अधिक प्रदर्शित करते समय के साथ, विशेष रूप से पिछले एक दशक के दौरान, खादी और ग्रामोद्योग (वीआई) पारिस्थितिकी तंत्र को लगातार सुदृढ़ किए जाने के कारण कुल उत्पादन लगभग 4,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि बिक्री लगभग 8,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। आगे बढ़ते हुए, आरामदायक वस्त्र के रूप में पहचाना जाने वाला खादी अब नई श्रेणियों और फैशन स्टेटमेंट का रूप ले रहा है। इसका परिवर्तन खादी डेनिम, डिजाइनर साड़ियों और ब्राइडल वियर, आधुनिक शर्ट और ट्राउजर्स और रेमंड तथा पीटर इंग्लैंड जैसी मुख्यधारा की ब्रांडों के संग्रहों के रूप में स्पष्ट दिखाई देता है। एमएसएमई मंत्रालय और वस्त्र मंत्रालय की संयुक्त पहल के रूप में स्थापित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर खादी (निफ्ट, दिल्ली) ने परिधानों की विभिन्न श्रेणियों, प्रिंट, बुनाई, कढ़ाई और पेंटिंग से युक्त घरेलू उत्पादों के संग्रह तथा साड़ी डिजाइनों सहित 2,129 खादी डिजाइन संग्रह विकसित किए हैं और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर खादी नॉलेज पोर्टल के माध्यम से खादी संस्थानोंध्इच्छुक उद्यमियों को सक्षम बनाने का कार्य जारी रखा है। शिशु परिधानों के क्षेत्र में हमारा प्रवेश इस तथ्य से प्रेरित है कि वैश्विक शिशु और बच्चों के कपड़ों का सेगमेंट बाजार के साल 2030 तक 60 अरब डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है (सीएजीआर 5दृ8.1 प्रतिशत के बीच), और इसमें जैविक कपास, हाइपोएलर्जेनिक कपड़ों तथा गैर–विषाक्त विनिर्माण प्रक्रियाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। 21वीं सदी के भारत के लिए ब्रांड की स्थिति को प्रतिबिंबित करने वाले नवयुग खादी डिजाइनों को प्रगति मैदान स्थित राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय एवं हस्तकला अकादमी में खादी नॉलेज पोर्टल के साथ लॉन्च किया गया। इनमें 710 नए उत्पाद शामिल हैं, जो समकालीन और नवोन्मेषी तरीके से ष्नए भारत की नई खादीष को प्रस्तुत करते हैं। सभी आयु वर्गों के लोगों, जेन जी से लेकर दिल से युवा लोगों तक, को आकर्षित करने के लिए हाल ही में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वेलनेसध्योग वियर का संग्रह श्स्वधाश्व भी लॉन्च किया गया है। खादी में रोजगार सृजन के लिए बहुत कम निवेश की आवश्यकता होती है। खादी विकास योजना, ग्रामोद्योग विकास योजना, पीएमईजीपी जैसी योजनाओं के माध्यम से सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे केवीआई संस्थानों/इकाइयों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सक्षम बनाया जा रहा है। सरकार वित्तीय सहायता, कार्यशील पूंजी की सुविधा, गुणवत्तापूर्ण कच्चे माल की सहायता, प्रशिक्षण, टूल–किट, मजदूरी क्षतिपूर्ति, विपणन सहायता, डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और सामाजिक सुरक्षा लाभों सहित सभी आवश्यक सहायता प्रदान करके पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवित करने के लिए बड़े स्तर पर प्रयास कर रही है। अहमदाबाद स्थित ईडीआईआई द्वारा किए गए मूल्यांकन अध्ययन के अनुसार, जिसकी रिपोर्ट जनवरी 2026 में प्रस्तुत की गई, सभी योजनाओं के तहत 75 प्रतिशत से अधिक कारीगरों ने हस्तक्षेप के बाद अपनी आय में मापनीय वृद्धि बताई और उन कारीगरों के लिए वर्षभर का स्थायी रोजगार सृजित हुआ, जो पहले मौसमी या प्रवासी श्रम पर निर्भर थे। इससे वास्तव में श्रमिकों के पलायन को कम करने में मदद मिली। खाद्य प्रसंस्करण, अगरबत्ती और हनी मिशन के तहत प्रशिक्षित कारीगर सुगंधित तेल, सुगंधित मोमबत्तियों या मूल्यवर्धित शहद उत्पादों जैसे नए उत्पादों की श्रेणियों में विविधता लेकर आए हैं। इस विविधीकरण से स्थानीय बाजार में होने वाले उतार–चढ़ाव के प्रति वे अधिक सुदृढ़ हुए हैं। खादी महिला सशक्तीकरण की दिशा में सीधे योगदान देती है और इस प्रकार समावेशी विकास के उद्देश्य के अनुरूप है। लगभग पांच लाख खादी कारीगरों में से करीब 80 प्रतिशत महिलाएं हैं। अध्ययन के अनुसार, जीवीवाई योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी अधिक पाई गई।

जौनपुर पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, चार चौकी प्रभारियों का तबादला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में कानून–व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग में प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। पुलिस विभाग ने चार चौकी प्रभारियों का स्थानांतरण करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। जारी स्थानांतरण आदेश के अनुसार, सिपाह चौकी प्रभारी आलोक त्रिपाठी को सरायपोख्ता चौकी का प्रभारी बनाया गया है। वहीं राज कॉलेज चौकी प्रभारी सुनील यादव को जफराबाद चौकी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा आशीष पांडेय को सिपाह चौकी का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है, जबकि कस्बा जफराबाद चौकी प्रभारी राधेश्याम सिंह को राज कॉलेज चौकी का प्रभारी बनाया गया है। पुलिस विभाग में हुए इस फेरबदल को जिले की कानून–व्यवस्था को मजबूत बनाने और पुलिसिंग व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है।



संक्षिप्त खबरें

नौबस्ता में 32 वर्षीय युवक ने घर में फांसी लगाकर दी जान

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के नौबस्ता क्षेत्र में एक 32 वर्षीय युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान अर्पित कश्यप (32) पुत्र स्वर्गीय सूरज निवासी मकान संख्या 341ध्13, ब्राह्मणी टोला, नौबस्ता के रूप में हुई है। बुधवार देर रात करीब एक बजे उनकी पत्नी शालू कश्यप ने पुलिस को लिखित सूचना दी कि उनके पति ने घर में फांसी लगा ली है। बताया गया कि 10 नवम्बर को भैया दूज के अवसर पर शालू अपनी बेटी के साथ डालीबाग स्थित ड्राइवर कॉलोनी में अपने मायके गई हुई थीं। इसी दौरान उन्हें पति के फांसी लगाने की सूचना मिली। परिजन तत्काल अर्पित को एम्बुलेंस से ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई तथा परिजनों की मौजूदगी में पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पारा पुलिस ने दो भैंस चोरों को किया गिरफ्तार, दो लाख रुपये कीमत की दुधारू भैंसें बरामद

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के पारा थाना क्षेत्र में दो दूध डेयरियों से दुधारू भैंस चोरी करने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई दो दुधारू भैंसें बरामद की हैं, जिनकी कीमत करीब दो लाख रुपये बताई गई है। दोनों आरोपियों को उन्नाव के आसीवन थाना क्षेत्र से ग्रामीणों के सहयोग से पकड़ा गया।पुलिस के मुताबिक, 9 और 10 नवम्बर की मध्यरात्रि पारा क्षेत्र के ग्राम फतेहगंज में रिजवान अली की दूध डेयरी और उनके पड़ोसी अफसर अली उर्फ ध्रुव की डेयरी से अज्ञात चोर दो कीमती दुधारू भैंसें चोरी कर ले गए थे। इस मामले में रिजवान अली की तहरीर पर पारा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह के निर्देशन में उपनिरीक्षक अजय कुमार पटेल की टीम को लगाया गया था।पुलिस ने जांच और सुरागरसी के दौरान पता लगाया कि चोरी की गई भैंसों को उन्नाव जनपद की सीमा में ले जाया गया है। इसके बाद पुलिस टीम ने आसीवन थाना क्षेत्र में ग्रामीणों की मदद से इमरान (25) पुत्र अब्दुल मजीद निवासी सदाखेड़ा मजरा कुल्हा अटौरा और पवन (24) पुत्र स्वर्गीय कौशलेन्द्र निवासी मेड़हा खेड़ा मजरा राजेपुर ग्रंट को पकड़ लिया। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि दोनों आरोपी गांव में भैंसों को सस्ते दाम पर बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे थे। इसी दौरान ग्रामीणों ने उन्हें पकड़कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों के कब्जे से चोरी की भैंसें बरामद कर लीं।बरामदगी और विवेचना में मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 306 और 317(2) की बढ़ोतरी की है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार इमरान के खिलाफ दुबग्गा थाने में मारपीट और धमकी से संबंधित एक अन्य मुकदमा भी दर्ज है,

रिश्वत लेने के आरोपों से घिरे रहीमाबाद थाने के आरक्षी का तबादला

लखनऊ, (संवाददाता)। रहीमाबाद थाने में तैनात आरक्षी प्रेम नारायण पर एक व्यापारी से पांच हजार रुपये रिश्वत लेने के आरोप से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस महकमे में हलचल मच गई है। मामला संज्ञान में आने के बाद पुलिस अधिकारियों ने जांच शुरू करा दी है। आरक्षी को तत्काल प्रभाव से थाना सैरपुर के लिए स्थानांतरित कर रवाना कर दिया गया है। वहीं, पूरे प्रकरण की प्रारंभिक जांच एसीपी मलिहाबाद को सौंपी गई है।पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो ग्राम तरवा निवासी अंबर रिजवी की दुकान का है। संबंधित व्यापारी अम्मार अली ने पुलिस को बताया कि उन्होंने किसी को रिश्वत नहीं दी है। उन्होंने इस संबंध में अपना एक वीडियो भी उपलब्ध कराया है, जिसमें रिश्वत देने के आरोप का खंडन किया है। व्यापारी के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज दो से तीन वर्ष पुराना है और उनकी मोरंग–गिट्टी की दुकान है। आरक्षी प्रेम नारायण ने उनकी दुकान से कुछ सामान खरीदा था, जिसके दो हजार रुपये उसे वापस करने थे। व्यापारी ने दावा किया कि वीडियो में दिखाई दे रही रकम उसी लेनदेन से संबंधित है।पुलिस के अनुसार प्रेम नारायण रहीमाबाद थाने में सरकारी वाहन चालक के रूप में कार्यरत थे। थाने में अलग से चालक नियुक्त नहीं होने के कारण वह सरकारी वाहनों के संचालन और देखरेख की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। हालांकि, सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में रिश्वत लेने का आरोप लगाए जाने के बाद मामले की विस्तृत जांच के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि व्यापारी ने रिश्वत देने की बात से इनकार किया है, लेकिन वीडियो में लगाए गए आरोपों को देखते हुए सभी पहलुओं की जांच कराई जा रही है। एसीपी मलिहाबाद की जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

देश की सुचारू व्यवस्था की रीढ़ हैं वाहन चालक, सरकार कर रही शोषण - राजेन्द्र पाल गौतम

कांग्रेस की सरकार बनने पर चालकों के बीमा, सुरक्षा और सम्मान के लिए बनेगा कानून



ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम ने कहा कि वाहन चालक, किसान और मजदूर देश की अर्थव्यवस्था एवं व्यवस्था की रीढ़ हैं। इनके खून–पसीने की मेहनत से ही देश की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित होती हैं, लेकिन मौजूदा सरकार में इनका शोषण किया जा रहा है। जौनपुर में वाहन चालक कल्याण समिति की ओर से आयोजित सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था से लेकर मरीजों को अस्पताल पहुंचाने, लोगों को सुरक्षित घर तक पहुंचाने और घरों में राशन, भोजन व दवाइयां उपलब्ध कराने तक वाहन चालकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोग आंख मूंदकर ड्राइवरों पर भरोसा करते हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें पुलिस उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर वाहन चालकों के हित में योजनाएं बनाई जाएंगी। उनके बीमा, सुरक्षा और सम्मान के लिए उचित कानून बनाया जाएगा। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव वरुण चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार ने हिट एंड रन कानून बनाकर वाहन चालकों के प्रति अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। वाहन चालक देश की तमाम व्यवस्थाओं को सुचारू रखने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, इसके बावजूद उनका शोषण हो रहा है। समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र यादव ने चालकों की समस्याओं से संबंधित दस सूत्रीय मांगपत्र राजेन्द्र पाल गौतम को सौंपा। उन्होंने कहा कि वाहन चालकों को आए दिन पुलिस उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। वहीं, सड़क दुर्घटनाओं में बिना गलती के भी चालकों को दंडित किया जाता है। विशिष्ट अतिथि जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ड्राइवरों, मजदूरों, किसानों, बुनकरों और आम आदमी के हितों की लड़ाई लड़ रही है। सम्मेलन में सैकड़ों वाहन चालक सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

18 मांगों को लेकर फार्मासिस्टों ने सीएमओ कार्यालय पर दिया धरना, पदनाम बदलने और वेतन सुधार की उठाई मांग

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने शुक्रवार को अपनी 18 सूत्रीय मांगों को लेकर जिला मुख्यालय स्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय पर धरना–प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन के बाद फार्मासिस्टों ने सीएमओ डॉ. गंगा राम गौतम को मांगपत्र सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की। एसोसिएशन ने शासन को भेजे गए मांगपत्र में फार्मासिस्ट का पदनाम बदलकर श्फार्मेसी अधिकारीश करने की मांग की है। इसके अलावा चीफ फार्मासिस्ट का पदनाम श्चीफ फार्मेसी अधिकारीश तथा विशेष कार्याधिकारी (फार्मेसी) का पदनाम बदलकर श्सहायक निदेशक फार्मेसीश करने का प्रस्ताव रखा है। फार्मासिस्टों ने प्राथमिक उपचार के साथ सीमित आवश्यक दवाएं लिखने का अधिकार देने और ग्रामीण अस्पतालों में ओपीडी सेवा शुरू करने की मांग भी उठाई। इसके साथ ही रिक्त पदों पर नियुक्तियां करने, लंबित पदोन्नति प्रक्रिया पूरी करने तथा वर्ष 2005 के बाद नियुक्त फार्मासिस्टों की वरिष्ठता सूची जारी करने की मांग की गई। मांगपत्र में वेतनमान और भत्तों में सुधार, एंबुलेंस एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) के माध्यम से दवा वितरण की व्यवस्था तथा जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में पर्याप्त दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की बात कही गई है। एसोसिएशन ने फार्मेसी संवर्ग का पुनर्गठन करने, कार्यक्षेत्र से जुड़ी विसंगतियों को दूर करने तथा मेडिकल कॉलेजों और महिला अस्पतालों में फार्मासिस्टों के नए पद सृजित करने की मांग भी की। फार्मासिस्टों ने कहा कि उनकी मांगों पर शासन स्तर से सकारात्मक निर्णय लेकर समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए।

छठ पर्व को लेकर प्रशासन अलर्ट, गोपी घाट समेत प्रमुख घाटों का डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण

सुरक्षा व्यवस्था में तैनात होंगे एक हजार से अधिक पुलिसकर्मी, घाटों पर साफ–सफाई और सुरक्षा के दिए निर्देश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में बिहार से होते हुए पूर्वांचल तक पहुंचा लोक आस्था का महापर्व डाला छठ अब जनपद में भी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस पर्व की शुरुआत नहाय–खाय से होती है और इसका समापन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य के साथ होता है। छठ पर्व को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। नगर के प्रमुख घाटों पर साफ–सफाई, प्रकाश, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. और पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने अपर जिलाधिकारी अजय अंबष्ट तथा नगर पालिका के अधिकारियों के साथ नगर के प्रमुख गोपी घाट, विसर्जन घाट और हनुमान घाट का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने घाटों पर साफ–सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने घाटों पर बेहतर साफ–सफाई और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी जरूरी इंतजाम समय से पूरा करने को कहा। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने बताया कि छठ पर्व पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। सभी थानों की पुलिस फोर्स को सुरक्षा व्यवस्था में लगाया जाएगा। इसके अतिरिक्त पीएसी की तैनाती भी की जाएगी। प्रमुख घाटों पर पुलिस बल के साथ निगरानी की व्यवस्था रहेगी। घाट क्षेत्र में पुलिस चौकी स्थापित करने के लिए भी प्रस्ताव भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि पर्व के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सभी तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से भी पर्व के दौरान प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

टीडी कॉलेज में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट के तहत भाषण प्रतियोगिता आयोजित

सुषमा पटेल ने युवाओं से लोकतांत्रिक मूल्यों को अपनाने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का किया आह्वान



ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर स्थित टीडी कॉलेज में शुक्रवार को मेरा युवा भारत जौनपुर की ओर से विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट–2027 के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में युवाओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलन और राष्ट्रगान के साथ किया। मुख्य अतिथि मुंगरा बादशाहपुर की पूर्व विधायक सुषमा पटेल ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने और राष्ट्र के विकास में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। युवा संसद जैसे आयोजन युवाओं को अपनी बात रखने, जनहित के मुद्दों को समझने और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने युवाओं से लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक रहते हुए विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रामाश्रय सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ ऐसी रचनात्मक और बौद्धिक गतिविधियां भी आवश्यक हैं। भाषण प्रतियोगिताओं से युवाओं में तार्किक चिंतन, आत्मविश्वास, संवाद क्षमता और प्रभावी अभिव्यक्ति का विकास होता है। युवा संसद विद्यार्थियों को संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली को समझने का व्यावहारिक अवसर प्रदान करती है। प्रतियोगिता में अनुभव सिंह ने प्रथम, अभिनव कृति पांडेय ने द्वितीय तथा अभिनव पांडेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को मेडल, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडल में सुषमा पटेल, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, प्रकाश चंद्र यादव, विजयलक्ष्मी और डॉ. माया सिंह शामिल रहीं। कार्यक्रम का संचालन मेरा युवा भारत के वॉलंटियर सुमित सिंह ने किया। आयोजन को सफल बनाने में शिवांगी, कौशल, उत्कर्ष तिवारी, अर्पित यादव, तनु सिंह, स्नेहा मिश्रा, कृष्ण प्रजापति, अनूप मौर्य, शुभम प्रजापति, अर्चि वर्मा और सुमित सिंह सहित अन्य वॉलंटियरों ने सहयोग किया। इस अवसर पर विशाल सिंह, एमटीएस बृजेश यादव सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सपा के पूर्व सांसद अरविंद चौधरी और अनिल यादव समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी को झटका देते हुए बस्ती के पूर्व सांसद अरविंद चौधरी और बांदा के सपा नेता अनिल यादव बुधवार को अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, ज्वाइनिंग कमेटी के अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह तथा परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह की मौजूदगी में दोनों नेताओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा नेताओं ने उन्हें पार्टी का पटका पहनाकर संगठन में स्वागत किया।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि भाजपा विचारधारा पर आधारित संगठन है, जहां कार्यकर्ता सर्वोपरि है। पार्टी में प्रत्येक कार्यकर्ता के परिश्रम, समर्पण और योगदान को सम्मान दिया जाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों नेताओं के पार्टी में शामिल होने से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।पंकज चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के करीब 12 वर्षों के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। गरीब कल्याण, बुनियादी ढांचे के विस्तार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए बिना भेदभाव काम किया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए लगातार काम कर रही है।उन्होंने देश में अराजकता फैलाने की कथित कोशिशों पर चिंता जताते हुए कहा कि कुछ शक्तियां लोकतांत्रिक माहौल को प्रभावित कर देश को अस्थिर करना चाहती हैं।

हजरतगंज में घरेलू काम करने वाला युवक ही निकला चोर, लाखों के जेवरात बरामद

लखनऊ, (संवाददाता)। हजरतगंज थाना क्षेत्र में एक घर में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए घरेलू साफ–सफाई का काम करने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर सोने–चांदी के आभूषणों सहित बड़ी संख्या में चोरी का सामान बरामद किया है। आरोपी उसी घर में साफ–सफाई का काम करता था, जहां चोरी की वारदात हुई थी।पुलिस के मुताबिक, बी–ब्लॉक, पुराना विधायक निवास निवासी संतोष कुमार वर्मा ने सात नवम्बर को हजरतगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि सुबह कार्यालय जाने के बाद शाम करीब साढ़े छह बजे जब वह घर लौटे तो दरवाजे का अंदरूनी कुंडा टूटा मिला। कमरे में रखी लोहे की अलमारी जमीन पर गिरी थी और उसका दरवाजा व लॉकर भी टूटे हुए थे। अलमारी में रखे सोने–चांदी के आभूषणों के खाली डिब्बे जमीन पर पड़े थे और जेवर गायब थे। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।घटना के खुलासे के लिए पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे करीब दस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान वादी के घर पर साफ–सफाई का काम करने वाले युवक की गतिविधियां संदिग्ध मिलीं। उसकी तस्वीर दिखाने पर वादी ने पहचान निहाल के रूप में की। इसके बाद पुलिस ने तलाश करते हुए 10 नवम्बर की रात करीब 11:50 बजे निहाल पुत्र महेश निवासी पानी की टंकी के पीछे, रामलीला मैदान, दशमेश अपार्टमेंट के निकट, हुसैनगंज को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसकी निशानदेही पर चोरी के आभूषण बरामद किए गए।पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह कई दिनों से चोरी की योजना बना रहा था। सात नवम्बर को घर खाली मिलने पर उसने दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और अलमारी तोड़कर उसमें रखे गहने चोरी कर लिए। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) की बढ़ोतरी की है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। दो नाक की कील तथा तीन लॉकेट शामिल हैं।



दीवाली के बाद अब वापस जाने में परेशानी, तत्काल का टिकट नहीं सिर्फ इंतजार

लखनऊ, (संवाददाता)। दीपावली और भैया दूज के बाद दिल्ली–मुंबई लौटने वाले यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नियमित ट्रेनों में लंबी वेटिंग के चलते यात्रियों को तत्काल कोटे से कन्फर्म टिकट मिलने की उम्मीद थी, लेकिन बुधवार सुबह बुकिंग शुरू होते ही सर्वर हैंग हो गया। यात्री मोबाइल और कंप्यूटर पर वेबसाइट रिफ्रेश करते रहे, लेकिन टिकट नहीं मिल सके। तत्काल कोटे में करीब 750 सीटें थीं, जिसमें से स्लीपर की महज 48 सीटें ही यात्रियों के हाथ आईं। बृहस्पतिवार से ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ और बढ़ने की संभावना है।



इसे देखते हुए लखनऊ से दिल्ली जाने वाली लखनऊ मेल, एसी एक्सप्रेस, गोरखधाम, वैशाली, अयोध्या–दिल्ली और गोमती एक्सप्रेस के अलावा मुंबई रूट की पुष्पक, अवध, कुशीनगर और गोरखपुर–एलटीटी एक्सप्रेस में तत्काल टिकट के लिए यात्रियों ने सुबह से ही प्रयास शुरू कर दिए थे। तत्काल कोटे की बुकिंग सुबह 10 बजे शुरू हुई तो सर्वर हैंग हो गया। करीब तीन मिनट बाद स्थिति सामान्य हुई, लेकिन तब तक कई ट्रेनों में वेटिंग शुरू हो चुकी थी।

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के पास युवक को गोली मारने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। गुडंबा थाना क्षेत्र में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के पास फास्ट फूड की दुकान पर युवक को गोली मारकर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल अवैध देशी पिस्टल, .32 बोर का एक जिंदा कारतूस और एक खोखा भी बरामद किया है। दोनों आरोपियों को अमेठी के गौरीगंज क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। मामले में पहले ही एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।पुलिस के मुताबिक, बिहार के सीवान जिले के रहने वाले आयाज इमाम खान उर्फ अरबाज ने एक नवंबर को गुडंबा थाने में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया था कि 31 अक्टूबर की रात करीब 11:44 बजे इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के पास सोनू फास्ट फूड की दुकान पर आरोपियों ने एकजुट होकर उन्हें जान से मारने की नीयत से गोली मार दी थी। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। तहरीर के आधार पर मुकदमा संख्या 419/2026 दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान मामले में भारतीय न्याय संहिता की अन्य धाराएं भी बढ़ाई गईं।पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और अन्य माध्यमों से आरोपियों की तलाश शुरू की। इसी क्रम में 11 नवंबर की सुबह करीब 4:25 बजे उपनिरीक्षक अतीश कुमार सिंह की टीम ने अमेठी के गौरीगंज तहसील के पास अनिल शुक्ला के मकान में दबिश देकर अभिषेक ठाकुर उर्फ अभिषेक सिंह और राशिद जमाल को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद अभिषेक की निशानदेही पर ग्राम पंचायतपुरवा के पीछे जंगल के किनारे एक खंडहरनुमा मकान से वारदात में इस्तेमाल पिस्टल, एक जिंदा कारतूस और एक खाली खोखा बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी असलहे का वैध लाइसेंस नहीं दिखा सके।

मिशन शक्ति 6.0 अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को महिला एसओ आशा शुक्ला ने किया जागरुक



(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा,सम्मान एवं स्वावलंबन को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति 6.0 अभियान के तहत महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने शहर के कई प्रमुख चौराहों व सार्वजनिक स्थानों पर महिला होमगार्ड मीना के साथ महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया।इस मौके पर उन्होंने महिला होमगार्ड मीना के साथ महिलाओं और बालिकाओं को विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना सहित सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।उन्होंने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के बारे में बताते हुए बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को रोकने के लिए जागरूक किया।साथ ही साथ महिलाओं व बेटियों को उनके अधिकारों, सुरक्षा संबंधी प्रावधानों और महिला अपराधों से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।इस मौके पर उन्होंने किसी भी प्रकार की समस्या, उत्पीड़न अथवा आपात स्थिति में तत्काल पुलिस एवं संबंधित विभाग से सहायता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई।महिलाओं को विमेन पावर लाइन 1090, यूपी आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के उपयोग के बारे में बताया।उन्होंने महिलाओं एवं बालिकाओं से अपील की कि वे किसी भी तरह के शोषण, उत्पीड़न या अपराध को छिपाएं नहीं, बल्कि निडर होकर पुलिस को इसकी सूचना दें।

अयोध्या में 17 नवंबर को लगेगा वृहद रोजगार मेला, 3000 से अधिक पदों पर भर्ती का मौका

अयोध्या।बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय अयोध्या की ओर से 17 नवंबर को वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा।मेला सुबह 10 बजे से श्रीकृष्णा आरटीएस विधि महाविद्यालय परिसर, नरौली, रुदौली में लगेगा।इसमें निजी क्षेत्र की विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियां 3000 से अधिक रिक्तियों के साथ प्रतिभाग करेंगी।सहायक निदेशक सेवायोजन अयोध्या मंडल देवव्रत कुमार ने बताया कि रोजगार मेले में कोटक महिंद्रा बैंक, स्विगी, एलएंडटी,श्रीराम पिस्टन्स एंड रिंग्स, यजाकी इंडिया, वर्धमान, ब्लिंकिट, एलआईसी, अमेजन और साई कृपा सहित कई कंपनियां युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी।उन्होंने बताया कि 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा, आईटीआई, बीएससी एजी एवं बीटेक उत्तीर्ण अभ्यर्थी रोजगार मेले में शामिल हो सकते हैं। इस संबंध में उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam-up-gov-in पर रोजगार मेला आईडी 13992 तथा राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल दबे.हवअ.पद पर पंजीकरण कर सकते हैं।गैर पंजीकृत अभ्यर्थियों को भी प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा।अभ्यर्थियों को अपने शैक्षणिक प्रमाणपत्रों की छायाप्रति, पहचान पत्र और बायोडाटा लेकर निर्धारित तिथि एवं स्थान पर पहुंचना होगा। रोजगार मेले की समस्त प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क रहेगी। किसी प्रकार का यात्रा भत्ता भी देय नहीं होगा।

रोटरी क्लब ग्रेटर ने मनाया दीपावली महोत्सव

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।रोटरी क्लब ग्रेटर एवं ग्रेटर विंग ने कैंट स्थित मसोनिक लॉज में दीपावली महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया।कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष अनुराग अग्रवाल ने सभी सदस्यों का दीपावली की बधाई के साथ स्वागत किया।उसके पश्चात् ग्रेटर विंग की सदस्या छवि अग्रवाल ने प्लेकार्ड का गेम कराया जिसमें ज्योति सोनी विजयी रहीं।अत्यंत मनोरजक गेम हौजी का संचालन रश्मि केसरवानी ने किया।इस मौके पर मुख्य रुप से रूमी, मोनिका,पूनम,नीता,नीति व श्रद्धा अग्रवाल विजयी रहीं। पंक्चआलिटी में नीति, स्नेहा, ज्योतिसोनी, रश्मिअरुण एवं छविपार्थ को विजयी घोषित किया गया।कपल गेम में रचना एवं संजय अग्रवाल विजय रहें।अंत में दीपावली धमाका का निर्णय चित निकालकर किया गया।जिसमें नीता संजय, पूजा नितेश, रश्मि संजीव, छवि अखिल, एवं छवि पार्थ विजयी घोषित किया गये।कार्यक्रम संयोजक अरविन्द अग्रवाल एवं राहुल केसरवानी ने बताया कि कार्यक्रम में क्लब के 70 सदस्यो ने प्रतिभागन किया द्य क्लब अध्यक्ष सुनील रस्तोगी ने कहा कि संस्था प्रतिवर्ष दीपावली महोत्सव का आयोजन करती है।जिसमें सभी लोग बढ़चढ़कर सम्मिलित होते है।कार्यक्रम का संचालन विंग की संस्थापक अध्यक्ष श्वेता अग्रवाल एवं अनुराग अग्रवाल ने समुक्त रूप से किया।अंत में बच्चों एवं बड़ों ने आतिशबाजी कर समाबाध दिया।ग्रेटर विंग की अध्यक्षा नीता मित्तल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

वर्षों से मरम्मत की बाट जोह रहा जाना बाजार-चौबेपुर भीटी संपर्क मार्ग,

गट्टियों के चलते आए दिन फिसलकर गिर रहे राहगीर



अयोध्या।जाना बाजार से चौबेपुर, मयंदीपुर और इंती गांव होते हुए हैदरगंज–भीटी मुख्य मार्ग को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग बदहाली का शिकार है।तस्वीर देखकर सड़क की हालत देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसकी मरम्मत वर्षों से नहीं हुई है।कभी इस मार्ग पर बिछी तारकोल युक्त गिट्टियां अब पूरी तरह गायब हो चुकी हैं। उनकी जगह सड़क पर जगह–जगह गड्ढे,उखड़ी सतह और मिट्टी दिखाई दे रही है।इस मार्ग पर सुबह से लेकर देर शाम तक दोपहिया, चारपहिया और भारी वाहनों के साथ साइकिल सवारों तथा पैदल राहगीरों का लगातार आवागमन बना रहता है।नंसा बाजार,जाना बाजार, भीटी, आने–जाने के लिए भी यह मार्ग आसपास के गांवों के लोगों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है।इसके बावजूद सड़क की बदहाल स्थिति लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है।सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को उठानी पड़ रही है।सड़क पर बिखरी गिट्टियों और गड्ढों के चलते आए दिन बाइक सवार, साइकिल सवार फिसलकर गिर रहे हैं।थोड़ी सी लापरवाही भी दुर्घटना का कारण बन सकती है।वहीं, चारपहिया और भारी वाहनों को भी इस जर्जर मार्ग से गुजरने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।देखा जाये तो प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही होने के बावजूद संबंधित विभाग का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर नहीं जा रहा है।ग्रामीणों के लिए यह मार्ग आवागमन का प्रमुख साधन है,लेकिन इसकी बदहाली के चलते लोगों को जोखिम उठाकर सफर करना पड़ रहा है।

विकास योजनाओं को 15 दिन में जमीन पर उतारने का लक्ष्य

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।विकास भवन स्थित सभागार में प्रदेश सरकार द्वारा गठित जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की पहली बैठक संपन्न हुई।बैठक में जिले की विकास योजनाओं और गरीब कल्याण से जुड़ी सरकारी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकास के साथ विरासत को जोड़ने के अभियान को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई।बैठक की अध्यक्षता करते हुए रुदौली विधायक रामचंद्र यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी जनपदों में जिला स्तरीय अनुश्रवण समितियों का गठन किया गया है। समिति की प्राथमिकता प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं को गति देते हुए अगले 15 दिनों में उनके क्रियान्वयन को धरातल पर उतारने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को आपसी समन्वय से काम करना होगा, ताकि विकास कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे हो सकें।गोसाईगंज विधायक अभय सिंह ने समिति के गठन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया।उन्होंने कहा कि समिति के माध्यम से अब जनप्रतिनिधि विकास कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा कर सकेंगे।सरकार की योजनाएं समाज के सभी वर्गों के लिए हैं। उन्होंने कहा कि आचार संहिता लागू होने से पहले विकास कार्यों को पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा।इस दौरान कुंडा में राजा भैया के यहां आयोजित रामकथा में शामिल होने के सवाल पर विधायक अभय सिंह ने कहा कि वह 17 तारीख को रामकथा में जरूर जाएंगे।उन्होंने कहा कि जहां श्रीराम की कथा होती है,वहां हनुमान जी विराजमान रहते हैं।ऐसे धार्मिक आयोजनों में जाने से उन्हें कोई नहीं रोक सकता।

छात्रवृत्ति के लिए 20 नवंबर तक करें ऑनलाइन आवेदन, संशोधित समय–सारिणी जारी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।शैक्षिक सत्र 2026–27 में छात्रवृत्ति का लाभ लेने वाले छात्र–छात्राओं के लिए महत्वपूर्ण सूचना है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए पूर्वदशम (कक्षा 9–10) और दशमोत्तर (कक्षा 11–12) छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत आवेदन की संशोधित समय–सारिणी जारी कर दी गई है। विद्यार्थी 20 नवंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि नवीन शिक्षण संस्थानों को मास्टर डाटा बेस में शामिल करने के लिए 12 से 19 नवंबर तक का समय निर्धारित किया गया है। वहीं, जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा विद्यालयों की मान्यता, स्वीकृत सीटों की संख्या एवं प्रोफाइल का ऑनलाइन डिजिटल हस्ताक्षर से सत्यापन 13 से 20 नवंबर तक किया जाएगा।उन्होंने छात्र–छात्राओं से निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है, ताकि वे छात्रवृत्ति योजना का लाभ पाने से वंचित न रहें। योजना से संबंधित अन्य प्रक्रियाएं भी जारी संशोधित समय–सारिणी के अनुसार पूरी की जाएंगी।

वाहन डीलरों, ट्रांसपोर्ट यूनियन के प्रतिनिधियों व ट्रक आपरेटर के साथ एआरटीओ प्रशासन ने किया बैठक



अयोध्या।जनपद में ई–बस एवं ई–गुड्स वाहनों के विक्रय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से परिवहन विभाग की ओर से कार्यालय परिसर में बैठक आयोजित की गई।इसमें जनपद के वाहन डीलरों, ट्रांसपोर्ट यूनियन के प्रतिनिधियों तथा बस और ट्रक ऑपरेटरों ने प्रतिभाग किया।बैठक में एआरटीओ प्रशासन डॉक्टर आरपी सिंह ने ई–बस एवं ई–गुड्स वाहनों के उपयोग और खरीद को बढ़ावा देने पर विस्तार से चर्चा की।इस मौके पर उन्होंने ट्रांसपोर्ट यूनियन एवं बस यूनियन के प्रतिनिधियों को इन वाहनों की खरीद के लिए प्रोत्साहित किया।साथ ही साथ इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर शासन की ओर से दी जाने वाली सब्सिडी एवं अन्य प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी भी दिया। बताया कि इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने से परिवहन व्यवस्था को स्वच्छ एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाने में मदद मिलेगी।बैठक के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

यात्रियों से भरी इलेक्ट्रिक वैन 500 मीटर गहरी खाई में गिरी, 10 की मौत पांच घायल

, (संवाददाता)। नेपाल के मकवानपुर जिले में बृहस्पतिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। भीमफेदी गांवपालिका–6 स्थित चिसापानी गढ़ी के पास यात्रियों से भरी एक इलेक्ट्रिक वैन (ईवी) अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 500 मीटर नीचे खाई में जा गिरी। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया। जानकारी के अनुसार, मधेश प्रदेश 03–001 ज 0880 नंबर की इलेक्ट्रिक वैन काठमांडू से सर्लाही की ओर जा रही थी। इसी दौरान भीमफेदी–कुलेखानी–काठमांडू सड़कखंड पर चिसापानी गढ़ी के पास वाहन अनियंत्रित होकर



गहरी खाई में गिर गया। हादसे में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में सर्लाही जिले के चक्रघट्टा गांवपालिका–4 सुंदरपुरटोल निवासी 33 वर्षीय मुकेश यादव, पांच वर्षीय सक्षम कुमार यादव और तीन वर्षीय सुदन यादव शामिल हैं। हेटौंडा अस्पताल में भर्ती मुकेश यादव के सिर और पीठ में चोट आई है, जबकि सक्षम कुमार यादव के शरीर में अंदरूनी चोटें लगी हैं। दोनों की हालत सामान्य बताई गई है। वहीं तीन वर्षीय सुदन यादव के सिर और मुंह में चोट आई है। उनकी स्थिति मध्यम बताई गई है। सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल के सहप्रवक्ता शैलेन्द्र थापा ने बताया कि दुर्घटना में कुल 10 लोगों की मौत हुई है और पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। हादसे के बाद स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से राहत एवं बचाव कार्य किया गया। दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

मैहर महोत्सव का बिसुनबाबा के मैदान से हुआ भव्य आगाज

सैकड़ो खिलाड़ियों ने दिखाया अपना दमखम



अयोध्या। मैहर महोत्सव का भव्य आगाज शुक्रवार को बिसुनबाबा के मैदान से शुरू हो गया।खेल प्रतियोगिताओं में सैकडो खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखाया।जिसमे 100 और 1600 मीटर दौड़ में महिला–पुरुष खिलाड़ियों जीत हासिल किया।प्रथम व द्वितीय स्थान, कबड्डी में आरोही संस्थान और तारुन की टीम विजेता रही।थाना क्षेत्र हैदरगंज के विशुन बाबा के मैदान में शुक्रवार को मैहर महोत्सव–2026 का भव्य शुभारंभ हुआ।महोत्सव के अयोजित खेल प्रतियोगिताओं में महिला और पुरुष खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा और दमखम का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। समारोह की अध्यक्षता हरिश्चंद्र सेन ने की।जबकि राजकुमार गोस्वामी के संचालन में प्रतियोगिताएं संपन्न हुई।महोत्सव के आयोजक समाजसेवी प्रमोद सिंह ने बताया प्रतियोगिताओं के पहले चरण में 100 मीटर दौड़ के पुरुष वर्ग में अरुण यादव ने प्रथम और आदित्य शर्मा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।महिला वर्ग में बेबी प्रथम और शालू द्वितीय स्थान पर रहीं।इसी प्रकार 1600 मीटर दौड़ के पुरुष वर्ग में ऋषभ यादव ने प्रथम तथा सुनील गौड़ ने द्वितीय स्थान हासिल किया।महिला वर्ग में शांति ने प्रथम और काजल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।कबड्डी प्रतियोगिता के महिला वर्ग का फाइनल मुकाबला आरोही संस्थान और नन्सा बाजार की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें आरोही संस्थान की टीम विजेता रही। वहीं पुरुष वर्ग में शेरवा घाट और तारुन की टीमों के बीच फाइनल मुकाबला हुआ।जिसमें तारुन की टीम ने जीत दर्ज की।महोत्सव के दौरान खेल प्रतियोगिताओं को लेकर खिलाड़ियों और दर्शकों में खासा उत्साह नजर आया। आयोजन में बाबुल तिवारी, विष्णु मिश्रा, शुभम प्रजापति, संदीप गौड़,रजत सिंह, राघवेंद्र सिंह और कुलदीप सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मिर्जापुर में निर्माणाधीन तीसरी लाइन की मिट्टी धंसने से आठ ट्रेनें लेट



भदोही, (संवाददाता)। मिर्जापुर के झिंगुरा रेल खंड के मध्य तीसरी रेल लाइन के निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी धंसने के कारण वाराणसी–प्रयागराज रेल खंड पर ट्रेनों का संचालन प्रभावित हो गया है। मिर्जापुर रूट की कई ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाए जाने से ज्ञानपुर रोड होकर चलने वाली आठ ट्रेनें घंटों विलंब से चल रही हैं। इससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाराणसी–प्रयागराज रेलखंड के ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन पर बुधवार को कई प्रमुख ट्रेनें विलंब से पहुंचीं। इसमें दानापुर सुपरफास्ट 5 घंटे 31 मिनट, बनारस सुपरफास्ट साप्ताहिक 2 घंटे 31 मिनट, छपरा क्लोन 1 घंटा 21 मिनट, सुपौल विशेष ट्रेन 2 घंटा 39 मिनट, पवन एक्सप्रेस 2 घंटा 38 मिनट है।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने स्वर्गीय राजकरन वर्मा को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ अयोध्या इकाई की तहसील इकाई सोहावल में तहसील के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजकरनवर्मा के आकस्मिक निधन पर सावित्री लान ढेमवा घाट पर शोक सभा कर 2 मिनट का मन रख उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई तथा उपस्थित सभी साथियों ने परिवार वालों को एकत्रित कर सहायता राशि दिया।श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष सूर्यकुमार मिश्रा ने कहा कि स्वर्गीय राजकरन वर्मा जी बहुत ही नेक एवं उत्तम विचारों वाले व्यक्ति थे तथा वह एक सच्ची पत्रकारिता करते थे जिसके कारण उनके आकस्मिक निधन पर हम सभी को बहुत ही गहरा आघात पहुंचा है।उनके नेक दिली की वजह से ही उनके अंत्येष्टि पर कई दलो के नेता शिक्षाविद पत्रकार साथी आम ग्रामीण जनता सैकड़ो की संख्या में पहुंचकर उन्हें अंतिम विदाई दिया आज वो हमारे बीच नहीं है फिर भी उनकी यादें हमेशा रहेंगी भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के साथियों ने मिलकर के उनके परिवार को सहायता के रूप में कुछ राशि उनकी पत्नी को दिया फरवरी में उनके बड़ी लड़की की शादी है उसमें भी हम सभी तथा प्रदेश स्तर पर सहायता किया जाएगा महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनंत राम पांडे अस्वस्थ होने के कारण नहीं पहुंच सके परंतु उन्होंने भी अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि स्वर्गीय राज करण वर्मा को दिया तथा ईश्वर से प्रार्थना किया की अपने लोक में उन्हें उत्तम स्थान प्रदान करें श्रद्धांजलि सभा में वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर धर्मपाल सिंह जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम कलप पांडे जिला संगठन सचिव संजीव कुमार सिंह तहसील संरक्षक प्रदीप कुमार पांडे तहसील अध्यक्ष देवी प्रसाद वर्मा तहसील कोषाध्यक्ष शशांक सिंह तहसील संयुक्त सचिव संदीप कुमार मिश्रा अरविंद सिंह निर्देश वर्मा सुनील दत्त पांडे शालिकराम प्रजापति आज पत्रकार साथीयो ने श्रद्धांजलि अर्पित किया ।

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक कोहरे और धुंध की चादर में लिपटी रही रामनगरी,दिखा ठंड का असर

अयोध्या।शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक शुक्रवार की सुबह मौसम का मिजाज बदला नजर आया।शहर व ग्रामीण क्षेत्रों मे कोहरा दिखाई दे रहा था। ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह खेत–खलिहानों, गांवों की पगडंडियों और संपर्क मार्गों पर कोहरे की धुंध छाई रही। जिसके चलते शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक सुबह लोगों ने सर्द का एहसास किया।सुबह घरों से निकलने वाले ग्रामीणों, किसानों और दोपहिया वाहन चालकों ने स्वेटर, जाकिट आदि गर्म वस्त्र धारण किए दिखाई दिए।वही शहर के रामपथ समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुबह धुंध का असर दिखाई दिया।खेतों में काम के लिए निकले किसानों और सुबह आवागमन करने वाले लोगों को हल्के कोहरे के बीच आवाजाही करनी पड़ी।तापमान में गिरावट के साथ अब धीरे–धीरे ठंड का असर बढ़ने लगा है।

छठ पूजा और परिक्रमा पर 20 इलेक्ट्रिक और 80 सामान्य बसें रहेगी श्रद्धालुओं की सेवा में – डीके चौबे

अयोध्या।इस बार भी हर बार की तरह छठ पूजा,14 कोसी–पंचकोसी परिक्रमा और कार्तिक पूर्णिमा स्नान को लेकर परिवहन विभाग ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष तैयारियां की हैं।इस संबंध में सहायक प्रबंधक रोडवेज डीके चौबे ने बताया कि इस दौरान रामनगरी में धार्मिक आयोजनों के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए अयोध्या डिपो से करीब 100 बसों का संचालन किया जाएगा।इनमें 20 इलेक्ट्रिक और 80 सामान्य बसें शामिल है।बताया कि 20 इलेक्ट्रिक बसें अटल सेवा के नाम से संचालित होती हैं।इन्हें 14 कोसी, पंचकोसी परिक्रमा और कार्तिक पूर्णिमा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लगाया जाएगा।वही आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने पर अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा।अगर जरूरत पड़ती है तो गोरखपुर, बस्ती, लखनऊ, प्रयागराज और वाराणसी सहित पड़ोसी डिपो से भी बसें मंगाई जाएंगी।उन्होंने बताया कि गोरखपुर, बस्ती, लखनऊ, प्रयागराज और वाराणसी मार्ग पर बसों का विशेष संचालन होगा। वहीं गोंडा और बहराइच रूट पर सामान्य बसें चलाई जाएंगी, क्योंकि इन मार्गों पर इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध नहीं है।बताया कि परिवहन विभाग का प्रयास है कि धार्मिक आयोजनों में शामिल होने के लिए अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें समय से सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।